Series E1GFH/3

Set No. 3

प्रश्न-पत्र कोड **2/3/3**

अनुक्रमांक

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

हिन्दी (आधार)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

नोट

(I)	*कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।*
(II)	*प्रश्न–पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न–पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर–पुस्तिका के मुख–पृष्ठ पर लिखें ।*
(III)	*कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में **13** प्रश्न हैं ।*
(IV)	***कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर–पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।***
(V)	*इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न–पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में कुल **13** प्रश्न हैं । सभी प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में **दो** खण्ड हैं – **खण्ड अ** और **खण्ड ब** ।*

(iii) ***खण्ड अ** में **45** बहुविकल्पी/वस्तुपरक उप-प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें से केवल **40** उप-प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं ।*

(iv) ***खण्ड ब** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं । प्रश्नों के उचित आंतरिक विकल्प दिए गए हैं ।*

(v) *प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।*

(vi) *यथासंभव दोनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रमश: लिखिए ।*

खण्ड अ

(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए : *10×1=10*

समाज में, परिवार में विविध कुल परंपराओं को अनदेखा नहीं किया जा सकता । हमारे वयोवृद्ध ही इन संस्कृतियों एवं परंपराओं के वाहक होते हैं और इनसे भलीभाँति परिचित होते हैं । वयोवृद्ध परिवार के तरुण सदस्यों को धर्मोन्मुख करते हैं, धार्मिक विधि-विधानों का महत्त्व समझाते हैं । वे भौतिकता और आध्यात्मिकता में संतुलन कायम करना सिखाते हैं । वे ही परिवार में शांति के उपाय, लोक-व्यवहार, रीति-नीति आदि के बारे में सद्गुण विकसित करने में सहायक होते हैं और संस्कारों की नींव रखते हैं । अतः किसी भी कारणवश परिवार के वृद्धजनों का अनादर एवं अपमान नहीं होना चाहिए । तरुणों का यह परम कर्तव्य हो जाता है कि वे उनकी भावनाओं को ठेस न पहुँचाएँ और उनके मान-सम्मान में कोई कमी न आने दें तथा उनकी सुरक्षा कोमलता से करें । भौतिक जीवन-शैली के चलते भारतीय सनातन संस्कृति के मूल्य बदलते जा रहे हैं जिसका परिणाम बुजुर्गों की उपेक्षा एवं उनका तिरस्कार है । बुजुर्गों को दरकिनार करने से आज परिवारों में कलह-क्लेश, दुख-संताप बढ़ रहा है । भौतिक जीवन-शैली से हमारी आस्थाओं के मूल्य ही बदल गए हैं । मानसिक अशांति बढ़ रही है, रोग-शोक बढ़ रहे हैं । परिवार के तरुण सदस्यों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे परिवार के वृद्धजनों को अपने से अलग न करें एवं उनका यथोचित मान-सम्मान करें । परिवार, समाज की कसौटी पर खरी उतरने वाली धारणाओं, मान्यताओं एवं परम्पराओं को तोड़ने-मोड़ने का या उनकी अनदेखी करने का प्रयास कदापि न करें । संस्कार वहीं अच्छे होंगे जहाँ बुजुर्गों का, माँ-बाप का मान-सम्मान करते हुए उनके द्वारा निर्देशित संस्कृति एवं परंपराओं का ध्यान रखा जाएगा । बुजुर्ग जीवन के मूल्यों को जानने वाले होते हैं । उनका भी कर्तव्य है कि वे परिवार के हर मामले में अनावश्यक हस्तक्षेप इसलिए न करें कि वे बुजुर्ग हैं । उनको भी हृदय की विशालता बनाए रखने में संकोच नहीं करना चाहिए ।

(i) वृद्धजनों को संस्कारों और रीतिरिवाजों का वाहक क्यों माना जाता है ?

- (a) क्योंकि वे जीवन-मूल्यों को जानने वाले होते हैं
- (b) क्योंकि वे इन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाते हैं
- (c) क्योंकि वे निष्ठा और लगन से इनका पालन करते हैं
- (d) क्योंकि वे जीवन में इनके महत्त्व से परिचित हैं

(ii) संस्कार संबंधी पारिवारिक परंपराओं के समाप्त होने का कारण है :

(a) संयुक्त परिवारों का विघटन

(b) भौतिकतावाद का बढ़ता प्रचलन

(c) पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव

(d) व्यस्त जीवन-शैली

(iii) वृद्ध व्यक्तियों को परिवार की धुरी क्यों माना जाता है ?

(a) भौतिक जीवन-शैली के दुष्परिणामों से अवगत कराने के कारण

(b) परिवार में सद्गुणों और संस्कारों की नींव रखने के कारण

(c) जीवन के लंबे अनुभव और ज्ञान के कारण

(d) परंपराओं और संस्कारों का सम्मान करने के कारण

(iv) वृद्धजनों का अनादर करने के परिणामों के विषय में कौन-सा कथन ***असत्य*** है ?

(a) सामाजिक व पारिवारिक विघटन

(b) समाज और परिवार में कुव्यवस्था

(c) परिवार में कलह-क्लेश, दुःख-संताप

(d) भौतिकता और आध्यात्मिकता का असंतुलन

(v) बुजुर्गों के प्रति बढ़ती उपेक्षा और तिरस्कार का कारण है :

(a) पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव

(b) भौतिक जीवन-शैली का प्रभाव

(c) बुजुर्गों का अनावश्यक हस्तक्षेप

(d) बुजुर्गों में संयम की कमी

(vi) भौतिक सुख-सुविधा के साधनों की वृद्धि ने जीवन को सुगम बनाने के साथ-साथ क्या दुखद स्थितियाँ दी हैं ?

(a) शारीरिक और मानसिक व्याधियाँ

(b) व्यस्त जीवन-शैली

(c) धन-दौलत का अंबार

(d) जीवन का एकाकीपन

(vii) युवाओं को वृद्धों के साथ क्या नहीं करना चाहिए ?

(a) वृद्धों का अनादर और अपमान

(b) वृद्धों की कोमलता से सुरक्षा

(c) वृद्धों को परिवार का महत्त्वपूर्ण सदस्य मानना

(d) वृद्धों द्वारा निर्देशित परंपराओं का पालन करना

(viii) पारिवारिक विघटन को रोकने के लिए गद्यांश में वृद्धों से क्या अपेक्षा की गई है ?

(a) एकांत में रहकर ईश्वर में ध्यान लगाना

(b) परंपराओं और मान्यताओं को युवाओं पर न थोपना

(c) युवाओं की समस्याओं को सुनना और सुलझाना

(d) पारिवारिक मामलों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करना

(ix) 'भौतिक जीवन-शैली से हमारी आस्थाओं के मूल्य ही बदल गए हैं ।' — पंक्ति का आशय है :

(a) भौतिक जीवन-शैली ने हमें अर्थ-प्रधान बना दिया है

(b) भौतिक जीवन-शैली ने हमें धर्म-प्रधान बना दिया है

(c) भौतिक जीवन-शैली ने हमें भाव-प्रधान बना दिया है

(d) भौतिक जीवन-शैली ने हमें कर्म-प्रधान बना दिया है

(x) निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन (A) : भारतीय सनातन संस्कृति के मूल्य बदलते जा रहे हैं ।

कारण (R) : भौतिक जीवन-शैली का प्रभाव सर्वत्र हावी हो रहा है ।

(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है ।

(b) कथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है ।

(c) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ग़लत हैं ।

(d) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) कथन (A) की ग़लत व्याख्या करता है ।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए : *5×1=5*

(i) संचार का सबसे प्राचीन माध्यम कौन-सा है ?

(a) रेडियो (b) दूरदर्शन

(c) सिनेमा (d) समाचार-पत्र

(ii) दूरदर्शन के लिए ख़बर लिखने की बुनियादी शर्त आप किसे मानते हैं ?

(a) सरल भाषा में लेखन (b) दृश्य के साथ लेखन

(c) कम शब्दों में लेखन (d) ख़बर बताते हुए लेखन

(iii) खेल जगत से जुड़ी शब्दावली का उदाहरण है :

(a) स्टाकिस्टों की चौतरफ़ा बिकवाली

(b) मलेशिया ने जर्मनी के आगे घुटने टेके

(c) चाँदी की चमक हुई फीकी

(d) सेंसेक्स आसमान पर

(iv) समाचार लिखते समय मुख्यतः कितने सवालों का जवाब देने की कोशिश की जाती है ?

(a) तीन (b) चार

(c) पाँच (d) छह

(v) सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन को पत्रकारिता की भाषा में क्या कहते हैं ?

(a) आलेख (b) विशेष लेख

(c) स्तंभ लेख (d) फ़ीचर

3. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी ***एक*** काव्यांश से संबंधित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

काव्यांश – 1

(क) वर्षों तक वन में घूम-घूम,
बाधा-विघ्नों को चूम-चूम,
सह धूप-घाम, पानी-पत्थर,
पांडव आये कुछ और निखर ।
सौभाग्य न सब दिन सोता है,
देखें, आगे क्या होता है ।
मैत्री की राह बताने को,
सबको सुमार्ग पर लाने को,
दुर्योधन को समझाने को,
भीषण विध्वंस बचाने को,
भगवान हस्तिनापुर आये,
पांडव का संदेशा लाये ।
'दो न्याय अगर तो आधा दो,
पर, इसमें भी यदि बाधा हो,
तो दे दो केवल पाँच ग्राम,
रक्खो अपनी धरती तमाम ।
हम वहीं खुशी से खायेंगे,
परिजन पर असि न उठायेंगे ।
दुर्योधन वह भी दे न सका,
आशीष समाज की ले न सका,
उलटे हरि को बाँधने चला,
जो था असाध्य, साधने चला ।
जब नाश मनुज पर छाता है,
पहले विवेक मर जाता है ।'

(i) कठिनाइयों और संघर्षों को सहन कर पांडवों में किस प्रकार का बदलाव आया ?

(a) मनोबल टूट गया
(b) व्यक्तित्व निखर गया
(c) हिम्मत टूट गई
(d) मजबूत हो गए

(ii) भगवान हस्तिनापुर क्यों आये थे ?

(a) युद्ध टालने के लिए
(b) सबकी कुशल-क्षेम जानने
(c) पांडवों का संदेश लेकर
(d) दुर्योधन से बात करने

(iii) 'तो दे दो केवल पाँच ग्राम' — पंक्ति में निहित जीवन मूल्य है :

(a) संतोष
(b) त्याग
(c) प्रेम
(d) करुणा

(iv) 'परिजन पर असि न उठायेंगे' — पंक्ति में प्रयुक्त 'असि' का क्या अर्थ है ?

(a) तीर-धनुष
(b) गदा
(c) तलवार
(d) भाला

(v) विवेक के मर जाने से क्या होता है ?

(a) मनुष्य का नाश होता है
(b) मनुष्य भ्रमित हो जाता है
(c) ग़लत कार्य करने की प्रेरणा
(d) असामाजिक कार्य की ओर प्रेरित

अथवा

काव्यांश – 2

(ख) 'मित्रता बड़ा अनमोल रतन,
कब उसे तोल सकता है धन ?
धरती की तो है क्या बिसात ?
आ जाय अगर बैकुंठ हाथ,
उसको भी न्योछावर कर दूँ
कुरुपति के चरणों पर धर दूँ ।
सिर लिए स्कंध पर चलता हूँ,
उस दिन के लिए मचलता हूँ,

यदि चले वज्र दुर्योधन पर,
ले लूँ बढ़कर अपने ऊपर ।
कटवा दूँ उसके लिए गला,
चाहिए मुझे क्या और भला ?
सम्राट बनेंगे धर्मराज,
या पाएगा कुरुराज ताज,
लड़ना भर मेरा काम रहा,
दुर्योधन का संग्राम रहा
मुझको न कहीं कुछ पाना है,
केवल ऋण मात्र चुकाना है ।
कुरुराज्य चाहता मैं कब हूँ ?
साम्राज्य चाहता मैं कब हूँ ?
क्या नहीं आपने भी जाना ?
मुझको न आज तक पहचाना ?
जीवन का मूल्य समझता हूँ,
धन को मैं धूल समझता हूँ ।
धनराशि जोगना लक्ष्य नहीं
साम्राज्य भोगना लक्ष्य नहीं'

(i) काव्यांश में 'अनमोल रतन' का क्या अर्थ है ?

(a) जिसका मूल्य बहुत अधिक हो
(b) जिसका मूल्य आँका न जा सके
(c) जिसका मूल्य नापा न जा सके
(d) जिसका मूल्य जाँचा न जा सके

(ii) किस पर स्वर्ग न्योछावर करने की बात की गई है ?

(a) मित्रता पर (b) धरती पर
(c) धन पर (d) राज्य पर

(iii) काव्यांश में वक्ता द्वारा युद्ध में सम्मिलित होने का कारण है :

(a) साम्राज्य प्राप्ति (b) कर्तव्यपरायणता

(c) ऋण चुकाना (d) वीरता-प्रदर्शन

(iv) 'सिर लिए स्कंध पर चलता हूँ' — पंक्ति में 'स्कंध' का क्या अर्थ है ?

(a) हथेली (b) तलवार

(c) कंधा (d) गला

(v) धन को धूल समझने के क्या कारण हो सकते हैं ?

(a) जीवन का अस्थायित्व (b) अनुपयोगी होना

(c) महत्त्वहीन होना (d) दूसरा लक्ष्य होना

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

यह बृत्तांत दसानन सुनेऊ ।
अति विषाद पुनि पुनि सिर धुनेऊ ।।
ब्याकुल कुंभकरन पहिं आवा ।
बिबिध जतन करि ताहि जगावा ।।
जागा निसिचर देखिअ कैसा ।
मानहुँ कालु देह धरि वैसा ।।
कुंभकरन बूझा कहु भाई ।
काहे तव मुख रहे सुखाई ।।
कथा कही सब तेहिं अभिमानी ।
जेहि प्रकार सीता हरि आनी ।।

(i) दसानन के बार-बार सिर धुनने का क्या कारण था ?

(a) सहयोग नहीं मिलना

(b) संकट से नहीं निकलना

(c) वैद्य द्वारा लक्ष्मण का उपचार करना

(d) लक्ष्मण का स्वस्थ हो जाना

(ii) अत्यधिक शोक से बेचैन होकर रावण किसके पास गया ?

(a) मेघनाद (b) विभीषण

(c) कुंभकरण (d) मंदोदरी

(iii) कुंभकरण को असमय जगाने के पीछे रावण की क्या मनोदशा रही होगी ?

(a) कुंभकरण को स्वयं से श्रेष्ठ मानना

(b) कुंभकरण से दिल की बात करना

(c) कुंभकरण को युद्ध में भेजना

(d) कुंभकरण की शक्ति पर भरोसा

(iv) 'जागा निसिचर देखिअ कैसा' पंक्ति में 'निसिचर' से किसे संबोधित किया गया है ?

(a) रावण को (b) कुंभकरण को

(c) राक्षस को (d) रात में चलने वाले को

(v) कुंभकरण ने रावण से क्या पूछा ?

(a) सीता हरण का कारण (b) अपने पास आने का कारण

(c) दुखी होने का कारण (d) स्वयं को जगाने का कारण

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

दिन भर के कार्य-भार से छुट्टी पाकर जब मैं कोई लेख समाप्त करने या भाव को छंदबद्ध करने बैठती हूँ, तब छात्रावास की रोशनी बुझ चुकती है, मेरी हिरनी सोना तख्त के पैताने फर्श पर बैठ कर पागुर करना बंद कर देती है, कुत्ता बसंत छोटी मचिया पर पंजों में मुख रख कर आँखें मूँद लेता है और बिल्ली गोधूलि मेरे तकिए पर सिकुड़ कर सो रहती है ।

पर मुझे रात की निस्तब्धता में अकेली न छोड़ने के विचार से कोने में दरी के आसन पर बैठकर बिजली की चकाचौंध से आँखें मिच-मिचाती हुई भक्तिन, प्रशांत भाव से जागरण करती है । वह ऊँघती भी नहीं, क्योंकि मेरे सिर उठाते ही उसकी धुँधली दृष्टि मेरी आँखों का अनुसरण करने लगती है ।

(i) 'भाव को छंदबद्ध करने बैठती हूँ' — से किस प्रकार की ध्वनि निकलती है ?

(a) डायरी लिखने की (b) कविता लिखने की

(c) लेख लिखने की (d) अनुभव लिखने की

(ii) 'तब छात्रावास की रोशनी बुझ चुकती है' — पंक्ति का आशय है :

(a) बिजली गुल होना

(b) रात अधिक होना

(c) अँधेरा होना

(d) छात्रावास में बिजली का न होना

(iii) गद्यांश के अनुसार लेखिका का जानवरों के प्रति किस प्रकार का भाव अभिव्यक्त हो रहा है ?

(a) प्रेम का (b) वात्सल्य का

(c) करुणा का (d) दया का

(iv) रात अधिक हो जाने के बाद भी भक्तिन जागने का प्रयास क्यों करती रहती थी ?

(a) जानवरों तथा लेखिका की देख-रेख के लिए

(b) रोशनी में नींद नहीं आने से

(c) लेखिका की जरूरत को पूरा करने के लिए

(d) लेखिका को अकेली न छोड़ने के विचार से

(v) गद्यांश के अनुसार भक्तिन का लेखिका के प्रति किस प्रकार का भाव अभिव्यक्त होता है ?

(a) सहयोग का भाव

(b) दास्य भाव

(c) स्वामी-भक्ति

(d) समर्पण का भाव

6. पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *10×1=10*

(i) जब यशोधर पंत ने अपने आखिरी फ़ाइल का फीता बाँधा था तब घड़ी में क्या समय हो रहा था ?

(a) पाँच बजकर चालीस मिनट

(b) पाँच बजकर तीस मिनट

(c) पाँच बजकर पच्चीस मिनट

(d) पाँच बज रहे थे

(ii) ‘जूझ’ कहानी के लेखक का मन कहाँ जाने के लिए तड़पता था ?

(a) सिनेमा जाने

(b) खेलने जाने

(c) खेत में जाने

(d) पाठशाला जाने

(iii) ‘मुअनजो-दड़ो’ और ‘हड़प्पा’ को सिंधु घाटी सभ्यता के परिपक्व दौर का शहर क्यों कहा गया है ?

(a) सबसे पुराने होने से

(b) पूर्ण विकसित होने से

(c) सबसे उत्कृष्ट होने से

(d) बहुत बड़ा होने से

(iv) ‘मुअनजो-दड़ो’ को छोटे-मोटे टीलों पर आबाद क्यों किया गया था ?

(a) पहाड़ी इलाका होने से

(b) बाढ़ से बचने के लिए

(c) दूर से दिखने के लिए

(d) बड़ा शहर होने से

(v) ‘जूझ’ कहानी में लेखक सुबह-शाम खेत पर, ढोर चराते आदि समय भी कविताओं में क्यों रमे रहते थे ?

(a) अपने शिक्षक से प्रभावित होने से

(b) खेत पर अकेले होने से

(c) कविता याद करने के लिए

(d) कविताओं में मन रमने से

(vi) ‘सिल्वर वैडिंग’ कहानी की मूल संवेदना हो सकती है :

(a) मानवीय मूल्यों का संकट

(b) पीढ़ी का अंतराल

(c) पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव

(d) पारिवारिक असहमति

(vii) 'जब चारों ओर कोल्हू चलने लगते तो बाज़ार में गुड़ की बहुतायत हो जाती और भाव नीचे उतर आते' — पंक्ति से यह पता चलता है कि :

(a) कोल्हू अधिक चलने पर गुड़ अधिक बनता है

(b) उत्पादन अधिक होने से भाव नीचे जाता है

(c) गुड़ अधिक हो जाने पर माँग कम होती है

(d) भाव पर गुड़ का उत्पादन निर्भर रहता है

(viii) 'मुअनजो-दड़ो' के बारे में धारणा है कि 'अपने दौर में वह सिंधु घाटी की सभ्यता का केन्द्र रहा होगा' — पंक्ति में 'केंद्र' से क्या अभिप्राय है ?

(a) प्रमुख गाँव

(b) राजधानी

(c) व्यवसायिक-स्थल

(d) शिक्षा-स्थल

(ix) वसंत पाटील का कक्षा में सम्मान क्यों था ?

(a) वह मॉनीटर था

(b) कक्षा में आगे बैठता था

(c) पढ़ने में होशियार एवं शांत था

(d) मास्टरों का लाड़ला था

(x) 'ड्रेसिंग गाउन' पहनते हुए यशोधर बाबू की आँखों में नमी क्यों आ गई थी ?

(a) भूषण के व्यवहार के कारण

(b) किशनदा के याद आने के कारण

(c) केवल (a)

(d) (a) और (b) दोनों

खण्ड ब

(वर्णनात्मक प्रश्न)

7. निम्नलिखित दिए गए चार विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *6*

(क) चौराहों पर खिलौने बेचते बच्चे

(ख) मेले में कुश्ती प्रतियोगिता

(ग) जीव-जंतुओं के प्रति दया

(घ) जब मुझे स्वर्ण पदक मिला

8. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : $2 \times 3 = 6$

(क) कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय हमें किस प्रकार की सावधानियाँ रखनी चाहिए ?

(ख) रेडियो पर किस तरह के कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं ? 19वीं शताब्दी में इसकी लोकप्रियता का क्या कारण था ?

(ग) लेखन से आप क्या समझते हैं ? लेखन के लिए अभ्यास क्यों आवश्यक है और कैसे ?

9. निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए : $2 \times 4 = 8$

(क) विचारपरक लेखन किसे कहते हैं ? इसके भेदों का उल्लेख करते हुए अख़बार को होने वाले लाभ बताइए ।

(ख) किसी समाचार को लिखते समय मुख्यतः किन छह प्रश्नों का जवाब देना अनिवार्य होता है ? उल्लेख करते हुए स्पष्ट कीजिए ।

(ग) संवाददाता और विशेष संवाददाता के अंतर को समझाइए ।

10. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : $2 \times 3 = 6$

(क) 'आत्मपरिचय' कविता में कवि को यह संसार अपूर्ण क्यों लगता है ?

(ख) कविता और फूलों के बीच की समानता और अंतर को 'कविता के बहाने' कविता के संदर्भ में लिखिए ।

(ग) कृषक अधीर होकर बादल को क्यों बुलाता है ? 'बादल राग' कविता के आधार पर लिखिए ।

11. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(क) तुलसी ने अपने पद 'धूत कहौ, अवधूत कहौ ...' में अपने स्वाभिमान को कैसे व्यक्त किया है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'छोटा मेरा खेत' कविता में कवि ने कागज के पन्ने को खेत की तरह क्यों कहा है ? समझाइए ।

(ग) 'उषा' कविता में प्रकृति में होने वाला परिवर्तन मानवीय जीवन-चित्र बन कर किस प्रकार अभिव्यक्त हुआ है ?

12. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(क) 'भक्तिन' पाठ में "भक्तिन अच्छी है, यह कहना कठिन होगा" — लेखिका ने ऐसा क्यों कहा है ?

(ख) 'श्रम विभाजन और जाति-प्रथा' पाठ के आधार पर लिखिए कि मनुष्य की क्षमता किन बातों पर निर्भर करती है । स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'शिरीष के फूल' पाठ में चर्चित अशोक वृक्ष की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

13. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(क) लुट्टन को राजा साहब ने किस प्रकार पुरस्कृत किया और क्यों ?

(ख) 'काले मेघा पानी दे' शीर्षक पाठ में लेखक अंधविश्वासों का विरोधी क्यों था ? कारणों का उल्लेख कीजिए ।

(ग) 'बाज़ार दर्शन' पाठ में लेखक ने बाज़ार का पोषण करने वाले अर्थशास्त्र को अन्यायशास्त्र, अनीति-शास्त्र क्यों कहा है ? स्पष्ट कीजिए ।

अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट, फरवरी - 2023

अंक-योजना - विषय : हिंदी (आधार)

विषय कोड संख्या : 302, प्रश्न-पत्र कोड : 2/3/1, 2/3/2, 2/3/3

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें।
2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है, क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली के लिए उपयुक्त नहीं है, जो लाखों परीक्षार्थियों के भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति दस्तावेज़ को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है |
3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह से निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ ।**
4. योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय कृपया दिए गए उत्तरों को समझें, भले ही उत्तर मार्किंग स्कीम में न हो, छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर अंक दिए जाने चाहिए |
5. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मान बिंदु होते हैं | ये केवल दिशा-निर्देशों की प्रकृति के हैं और पूर्ण नहीं हैं | यदि परीक्षार्थियों की अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार नियत अंक दिए जाने चाहिए |
6. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ, जब वह आश्वस्त हों कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।
7. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×)। मूल्यांकनकर्ता द्वारा ये चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह त्रुटि सर्वाधिक की जाती है।
8. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**
9. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हों तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता का पालन किया जाए।
10. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हें ही स्वीकार करें, उन्हीं पर अंक दें।

11. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर हर बार अंक न काटे जाएँ।
12. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में पूर्ण अंक पैमाना 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
13. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है । प्रतिदिन मुख्य विषयों की **20** उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)
14. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें, जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं -

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश का मूल्यांकन किए बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि होना।
- गलत प्रश्नवार आवरण पृष्ठ पर योग।
- आवरण पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का योग ठीक न होना।
- योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि होना ।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना, किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो।
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो, किंतु अंक न दिए गए हों।

15. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
16. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।
17. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।
18. परीक्षक सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।
19. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर-पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है। समस्त परीक्षकों / अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों / मुख्य परीक्षकों पुनः स्मरण कराया जाता है - वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक उत्तर का मूल्यांकन, मार्किंग स्कीम में दिए मूल बिंदुओं के अनुसार, सख्ती से किया गया है।

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

फरवरी - 2023

अंक योजना : हिंदी आधार (302) प्रश्न-पत्र गुच्छ संख्या 2/3/1, 2/3/2, 2/3/3

कक्षा : XII

अधिकतम अंक: 80

सामान्य निर्देश

- **अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।**
- **वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं, बल्कि ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।**
- **यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दें, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।**
- **मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।**

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ संख्या			उत्तर संकेत /मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/3/1	2/3/2	2/3/3		
				खंड 'अ' **(बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)**	
1	1	2	1		10x1=10
	(i)	(i)	(i)	(b) क्योंकि वे इन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पँहुचाते हैं	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(a) संयुक्त परिवारों का विघटन	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(b) परिवार में सद्‌गुणों और संस्कारों की नींव रखने के कारण	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(d) भौतिकता और आध्यात्मिकता का असंतुलन	1
	(v)	(v)	(v)	(b) भौतिक जीवन शैली का प्रभाव	1
	(vi)	(vi)	(vi)	(a) शारीरिक और मानसिक व्याधियाँ	1
	(vii)	(vii)	(vii)	(a) वृद्धों का अनादर और अपमान	1
	(viii)	(viii)	(viii)	(d) पारिवारिक मामलों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करना	1
	(ix)	(ix)	(ix)	(a) भौतिक जीवन-शैली ने हमें अर्थ प्रधान बना दिया है	1
	(x)	(x)	(x)	(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है	1
2	2	1	3	**(क) काव्यांश - एक**	5x1=5
	(i)	(i)	(i)	(b) व्यक्तित्व निखर गया	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(c) पांडवों का संदेश लेकर	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(a) संतोष	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(c) तलवार	1
	(v)	(v)	(v)	(a) मनुष्य का नाश होता है	1
	अथवा	अथवा	अथवा	**(ख) काव्यांश - दो**	
	(i)	(i)	(i)	(b) जिसका मूल्य आँका न जा सके	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(a) मित्रता पर	1

	(iii)	(iii)	(iii)	(c) ऋण चुकाना	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(c) कंधा	1
	(v)	(v)	(v)	(a) जीवन का अस्थायित्व	1
3	**3**	**4**	**2**		**5x1=5**
	(i)	(i)	(i)	(d) समाचार पत्र	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(b) दृश्य के साथ लेखन	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(b) मलेशिया ने जर्मनी के आगे घुटने टेके	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(d) छह	1
	(v)	(v)	(v)	(d) फीचर	1
4	**4**	**3**	**4**		**5x1=5**
	(i)	(i)	(i)	(d) लक्ष्मण का स्वस्थ हो जाना	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(c) कुंभकरण	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(d) कुंभकरण की शक्ति पर भरोसा	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(b) कुंभकरण को	1
	(v)	(v)	(v)	(c) दुखी होने का कारण	1
5	**5**	**5**	**5**		**5x1=5**
	(i)	(i)	(i)	(b) कविता लिखने की	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(b) रात अधिक होना	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(a) प्रेम का } **दोनों में से कोई भी उत्तर स्वीकार्य** (b) वात्सल्य का	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(d) लेखिका को अकेली न छोड़ने के विचार से	1
	(v)	(v)	(v)	(c) स्वामी भक्ति	1
6	**6**	**6**	**6**		**10x1=10**
	(i)	(i)	(i)	(c) पाँच बजकर पच्चीस मिनट	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(d) पाठशाला जाने	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(b) पूर्ण विकसित होने से	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(b) बाढ़ से बचने के लिए	1
	(v)	(v)	(v)	(d) कविताओं में मन रमने से	1
	(vi)	(vi)	(vi)	(b) पीढ़ी का अंतराल	1
	(vii)	(vii)	(vii)	(b) उत्पादन अधिक होने से भाव नीचे जाता है	1
	(viii)	(viii)	(viii)	(b) राजधानी	1
	(ix)	(ix)	(ix)	(c) पढ़ने में होशियार एवं शांत था	1
	(x)	(x)	(x)	(d) (a) और (b) दोनों	1
7	**7**	**7**	**7**	**खंड 'ब'** **(वर्णनात्मक प्रश्न)** **(किसी एक विषय पर रचनात्मक लेख)**	**6**

				प्रारंभ, समापन विषयवस्तु प्रस्तुति भाषा	1 3 1 1
8	**8**	**8**	**8**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x3=6**
	(क)	**(क)**	**(क)**	• कहानी की कथावस्तु का समय और स्थान के आधार पर विभाजन • घटनाक्रम के आधार पर दृश्यों का निर्माण • कहानी में आई विवरणात्मक टिप्पणियों की मंच सज्जा या पार्श्व-संगीत के माध्यम से अभिव्यक्ति • पर्याप्त मात्रा मे संवादों की व्यवस्था • पात्रों के मनोभावों और द्वंद्व की उपयुक्त प्रस्तुति **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	(ख)	**(ख)**	**(ख)**	**रेडियो पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रम** • समाचार तथा समकालीन प्रस्तुति • ज्ञानवर्धक कार्यक्रम • खेलों का आँखों देखा हाल • गीत-संगीत, नाटक आदि मनोरंजक कार्यक्रम **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)** **लोकप्रियता का कारण** • मनोरंजन के अन्य साधन आम आदमी के लिए उपलब्ध नहीं • सस्ता और सहजता से प्राप्त साधन • किसी भी स्थान पर ले जाने की सुविधा **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**1½+1½ = 3**
	(ग)	**(ग)**	**(ग)**	**लेखन का अभिप्राय -** भाषा के सहारे विचारों और भावों की अभिव्यक्ति **कारण -** अभिव्यक्ति एवं विचार करने की क्षमता विकसित करने के लिए **कैसे -** परंपरागत विषयों से हटकर मौलिक लेखन के प्रयास तथा अभ्यास द्वारा	**1+1+1=3**

9	9	9	9	(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)	2x4=8
	(क)	-	-	**पत्रकारीय विशेषज्ञता -** व्यावसायिक रूप से प्रशिक्षित न होने पर भी किसी विषय में जानकारी और अनुभव के आधार पर, क्षेत्र या विषय के मुद्दों की सहजता से व्याख्या कर सकने की क्षमता **कैसे प्राप्त कर सकते हैं** - • माध्यमिक और स्नातक स्तर की शिक्षा प्राप्त करके • संबंधित विषय का साहित्य पढ़कर • विषय एवं सरकारी, गैर सरकारी संस्थानों से जुड़े लोगों से संपर्क बनाकर	2+2=4
	-	(क)	-	**मुद्रित माध्यम के लेखन मे ध्यान रखने वाली चार बातें -** • भाषा, व्याकरण, वर्तनी और शैली का ध्यान रखना • समय-सीमा और आबंटित जगह के अनुशासन का पालन • अशुद्धियों को ठीक करना • सहज प्रवाह के लिए तारतम्यता बनाए रखना	4
	-	-	(क)	**विचारपरक लेखन -** समाचार पत्रों मे समाचारों के अतिरिक्त संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित होने वाले संपादकीय, टिप्पणियाँ, लेख आदि **भेद -** विभिन्न विषय के विशेषज्ञों/ वरिष्ठ पत्रकारों के स्तंभ (कॉलम) आलेख, फीचर आदि **लाभ -** अखबारों की छवि का निर्माण एवं जनमत को प्रतिबिंबित करना	4
	(ख)	-	-	**पत्रकारीय लेखन -** पाठकों, दर्शकों और श्रोताओं तक सूचनाएँ पहुँचाने के लिए लेखन के विभिन्न रूप **पत्रकार के प्रकार** 1. पूर्णकालिक - किसी समाचार संगठन के नियमित वेतनभोगी 2. अंशकालिक - एक निश्चित मानदेय पर काम करने	1+3=4

			वाले 3. फ्रीलांसर (स्वतंत्र पत्रकार) - भुगतान के आधार पर अलग-अलग समाचार पत्र के लिए कार्य करने वाले	
-	(ख)	-	**इलेक्ट्रॉनिक माध्यम -** • समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए उपयोगी • तुरंत घटी घटनाओं का प्रसारण संभव • जन संचार का सबसे तेज माध्यम • चौबीसों घंटे उपलब्ध **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)** **प्रिंट माध्यम -** • केवल साक्षर वर्ग के लिए उपयोगी • तुरंत घटी घटनाओं का प्रकाशन संभव नहीं • समाचार प्रकाशित करने की समय-सीमा तय • अपेक्षाकृत सस्ता • स्थायित्व होना • चिंतन-मनन की सुविधा उपलब्ध **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	2+2=4
-	-	(ख)	क्या, कौन (किसके), कब, कहाँ, कैसे और क्यों • क्या, कौन (किसके), कब, कहाँ सूचनात्मक और तथ्यों पर आधारित (इंट्रो / मुखड़ा) • कैसे और क्यों (बॉडी) • विवरणात्मक, व्याख्यात्मक और विश्लेषणात्मक पहलू पर जोर	4
(ग)	-	-	**टी.वी. पर प्रसारित सूचनाओं के विभिन्न चरण -** • फ्लैश या ब्रेकिंग न्यूज, ड्राइ एंकर, फोन-इन, एंकर विजुअल, एंकर बाइट, लाइव, एंकर पैकेज **विस्तार-** • **फ्लैश या ब्रेकिंग न्यूज-** कोई बड़ी खबर जो ब्रेकिंग न्यूज के रूप में कम शब्दों में तत्काल दर्शकों तक पहुँचाई जाए • **ड्राई एंकर -** एंकर के द्वारा बिना दृश्यों के रिपोर्टर द्वारा मिली जानकारी दर्शकों तक पहुँचाना • **फोन-इन -** एंकर द्वारा घटनास्थल पर मौजूद रिपोर्टर से फोन पर बात करके अधिक से अधिक	4

				जानकारी दर्शकों तक पहुँचाना **एंकर विजुअल -** एंकर द्वारा घटना के दृश्य या विजुअल मिलने पर और उन दृश्यों के आधार पर पढ़ी जाने वाली खबर **एंकर बाइट -** बाइट यानी कथन I घटना के प्रत्यक्षदर्शियों या संबंधित व्यक्तियों के कथन दिखाकर या सुनाकर खबर को प्रमाणित करना **लाइव -** किसी खबर का घटनास्थल से सीधा प्रसारण **एंकर पैकेज -** किसी भी खबर को घटना के दृश्य, प्रत्यक्षदर्शियों की बाइट, ग्राफिक आदि के साथ संपूर्णता से पेश करना **(किन्हीं चार चरणों का विस्तार अपेक्षित)**	
	-	(ग)	-	**(उल्टा पिरामिड शैली)** समाचार लेखन की सबसे लोकप्रिय, उपयोगी और बुनियादी शैली सबसे महत्वपूर्ण तथ्य या सूचना सबसे प्रारंभ में घटना/विचार समस्या का ब्यौरा काल क्रमानुसार न होकर सबसे महत्वपूर्ण तथ्य या सूचना के अनुसार 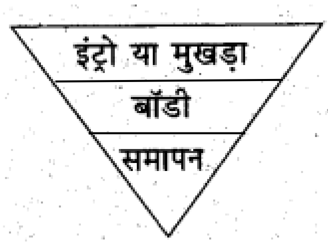 **प्रयोग -** समाचार लेखन के लिए	3+1=4
	-	-	(ग)	**संवाददाता -** अखबारी दुनिया में बीट कवर करने वाला संवाददाता बीट रिपोर्टर को उसकी रुचि और योग्यता के अनुसार कार्य विभाजन **विशेष संवाददाता -** विशेषीकृत रिपोर्टिंग करने वाला पत्रकार घटनाओं, मुद्दों और समस्याओं का बारीकी से विश्लेषण करने वाला	2+2=4

10	**10**	**11**	**10**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x3=6**
	(क)	**(क)**	**(क)**	**कवि को संसार अपूर्ण लगने के कारण** • संसार की विषमताएँ • सुख-दुख से निर्लिप्त होकर अपने अनुसार रहना • संसार की स्वार्थी वृत्ति • भावनाओं को अधिक महत्व देना तथा संसार का भावशून्य होना **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
	(ख)	**(ख)**	**(ख)**	**कविता और फूलों में समानता** दोनों का अपने सौंदर्य, सुगंध और प्रभाव से सबको लुभाना **अंतर -** फूलों में सौंदर्य, सुगंध और जीवन सीमित, किंतु कविता का प्रभाव शाश्वत एवं देशकाल की सीमा से परे	**1½+1½=3**
	(ग)	**(ग)**	**(ग)**	• परिवर्तन की आशा से • खुशहाली की आशा से • शोषण से मुक्ति की आशा से • उन्नत खेती की आशा से **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
11	**11**	**10**	**11**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x2=4**
	(क)	**(क)**	**(क)**	• समाज में व्याप्त जातिगत भेदभावों तथा वर्गभेद की अवहेलना करके • धर्म के आधार पर समाज का विभाजन करने वाले दुराग्रहों का तिरस्कार करके	**2**
	(ख)	**(ख)**	**(ख)**	खेत की तरह ही कागज के पन्ने पर कल्पना के सहारे भावनाओं रूपी बीजों के अंकुरित-पल्लवित और पुष्पित हो कृति का रूप धारण करने के कारण	**2**
	(ग)	**(ग)**	**(ग)**	भोर के समय आकाश में गहरा नीला रंग छा जाता है, जिसमें से उगते सूर्य की श्वेत आभा झाँकने लगती है । उस समय ऐसा लगता है, मानो नीले रंग के जल में किसी सुंदरी की गोरी देह झिलमिला रही है	**2**

12	12	12	12	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x3=6**
	(क)	**-**	**-**	• बाजार की चमक-दमक से प्रभावित हो अनावश्यक खरीदारी करने के कारण • आँखों के माध्यम से मस्तिष्क पर असर होने के कारण • मन में असंतोष और अतृप्ति के कारण	**3**
	-	**(क)**	**-**	• महादेवी नाम लेखिका के लिए दुर्वह • चाहकर भी स्वयं की दृष्टि में नाम के अनुरूप महान नहीं बन पाना • नाम की विशालता वहन करना उनके लिए सरल न होना	**3**
	-	**-**	**(क)**	• भक्तिन द्वारा लेखिका को खुश करने के लिए कभी-कभी झूठ बोलना • शास्त्रों की बातों को अपने तरीके से सुलझाना • भक्तिन द्वारा पैसे छिपा देना, पूछने पर ग़लती नहीं मानना और तर्क देना	**3**
	(ख)	**-**	**-**	• पूजा-पाठ, कथा-विधान अनुष्ठान आदि करने के उपरांत भी वर्षा न होने पर पारंपरिक अंध-विश्वास होने के कारण • इंदर सेना द्वारा पानी माँगने की गुहार लगाने से वर्षा होने की संभावना पर आस्था के कारण • बच्चों की निश्छल प्रार्थना ईश्वर के द्वारा अवश्य सुनी जाने के विश्वास के कारण	**3**
	-	**(ख)**	**-**	• जातिप्रथा के आधार पर श्रम-विभाजन मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं • श्रम के साथ - साथ श्रमिकों का विभाजन • जाति के आधार पर पेशे का दोषपूर्ण निर्धारण कर आजीवन एक पेशे में बाँधना	**3**
	-	**-**	**(ख)**	• शारीरिक वंश परंपरा • सामाजिक उत्तराधिकार • मनुष्य के अपने प्रयत्न **(स्पष्टीकरण अपेक्षित)**	**3**

	(ग)	**-**	**-**	• महामारी के कारण गाँव में पसरा सन्नाटा • प्रकृति की मनुष्य के दुख में दुखी होने की स्थिति • महामारी से पीड़ित एवं मृत्यु से भयभीत होना	**1½+1½=3**
	-	**(ग)**	**-**	• दीपावली, गोवर्धन जैसे पर्वों पर किए जाने वाले अनुष्ठान, पूजा-विधान • इंदर-सेना पर पानी फेंकना • जन्माष्टमी के अवसर पर आठ दिन की झाँकी सजाना, पंजीरी बाँटना आदि	**3**
	-	**-**	**(ग)**	**अशोक वृक्ष की विशेषताएँ -** • सदाबहार वृक्ष • आम के पत्तों से मिलते-जुलते पत्ते • मंगलजनक वृक्ष • छायादार वृक्ष **(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)**	**3**
13	**13**	**13**	**13**	**(किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)**	**2x2=4**
	(क)	**-**	**-**	• जेठ की तपती गर्मी में भी हरा-भरा, फूलों से लदा होना • कालजयी अवधूत की भाँति जीवन की अजेयता के मंत्र का प्रचारक • बड़ा और छायादार **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	-	**(क)**	**-**	• आवश्यकता के अनुसार वस्तु खरीदना • सामान की सूची बनाकर बाजार जाना • बाजार के मायाजाल में न फँसना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	-	**-**	**(क)**	**किस प्रकार पुरस्कृत किया** • राज पहलवान घोषित करना • सदा के लिए अपने दरबार में रखना **कारण -** • श्यामनगर के दंगल में चाँदसिंह (शेर के बच्चे) को पछाड़ना	**1+1=2**

				• अपने राज्य का नाम गौरवान्वित करना	
	(ख)	**-**	**-**	• जातिवाद के पोषक जातिप्रथा को मानने वाले को कहा है **कारण -** • श्रम विभाजन के लिए जातिप्रथा को समाज के लिए आवश्यक मानने तथा उचित ठहराने के कारण	**1+1=2**
13	**-**	**(ख)**	**-**	**गुरु** - ढोल को **कारण -** • ढोल की थाप से पहलवानी के दाँव-पेंच सीखने के कारण • ढोल की आवाज से उत्साह व जोश मिलने के कारण	**1+1=2**
	-	**-**	**(ख)**	• आर्य समाजी होना • वैज्ञानिक दृष्टिकोण • तर्क के आधार पर समस्याओं का समाधान करना • रूढ़िवादी परंपराओं में विश्वास न होना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	**2**
	(ग)	**-**	**-**	• महादेवी जी के संपर्क में रहकर भक्तिन कवियों के विषय में थोड़ा समझने लगी थी, पर वह उनकी प्रतिभा से अधिक महत्व उनके लंबे बाल और अस्त-व्यस्त वेशभूषा को देती थी • भक्तिन के द्वारा साहित्यकारों को दिया जाने वाला सम्मान, उनके द्वारा महादेवी को दिए जाने वाले सम्मान की मात्रा पर निर्भर था	**2**
	-	**(ग)**	**-**	• अवधूत के समान सुख और दुख दोनों स्थितियों में स्थिर रहने के कारण • विपरीत परिस्थितियों में जीवन की अजेयता का मंत्र प्रचारित करने के कारण	**2**
	-	**-**	**(ग)**	• बाजार को मनुष्य से अधिक महत्व देने के कारण • एक की हानि में दूसरे का लाभ देखने के कारण	**2**

				- बाजार को प्रमुखता देने वाले अर्थशास्त्र में मनुष्य की आवश्यकता की पूर्ति न होकर उसका शोषण होना **(कोई दो बिंदु अपेक्षित)**	

****